Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh-Mumbai
Conducted
MATUSHREE MANIBEN MANSHI BHIMSHI CHHADVA DHARMIK SHIKSHAN BOARD – MUMBAI
ધાર્મિક શિક્ષણ બોર્ડ
Website : jaineducationboard.org E-mail : jainshikhshanboard@gmail.com

७ जनवरी २०२४ – जैनशाळा पेपर - गुण : १०० - समय : ९ से १२

श्रेणी-५

Gujrati - Hindi Lipi

प्रश्न.१) खामणाथी समाप्तिसूत्रना आधारे जवाब लखो:-

(क) पाठ पूर्ति करो. (Any Five) **(१०)**

(१) आलोईयं, ..., ..., ..., ... तिविहेण.

(२) आहारं, ..., ..., ..., ... अन्नत्थाणा भोगेणं.

(३) श्री ईश्वरस्वामी, ..., ..., ..., ... श्री अजितसेन स्वामी

(४) क्षायिक, ..., ..., ..., ... शुभयोग

(५) देवसियाअे, ..., ..., ..., ... मण दुक्कडाअे

(६) राइसर, ..., ..., ..., ...सेनापति

(७) वेदनीय, ..., ..., ..., ... अंतराय

(८) भदे, ..., ..., ..., ... सुदंसणे.

(ख) सामायिक प्रतिक्रमणना आधारे मागधी शब्द लखो। **(०३)**

(श्रावक धर्मनुं, हे क्षमाश्रमण, गजा उपरांत काम कराव्युं होय, चोरने मदद करी होय, पृथ्वीनां पेट फोडवाना धंधा कर्या होय, मळ्येथी)

(१) खमासमणो _____ (४) सावग धम्मस्स _____

(२) अईभारे _____ (५) तक्करप्पओगे _____

(३) फोडीकम्मे _____ (६) समाणे _____

(ग) गुजराती अर्थ लखो. **(०७)**

(१) माणं मसगा

(२) पासं

(३) कुविय

(४) मग्गदयाणं

(५) मोहरिअे

(६) वहे

(७) कंखा

प्रश्न.२

(अ) मात्र अंकमां जवाब लखो. (Any Six) **(०३)**

(१) ज्ञानना अतिचार केटला ?

(२) संथाराना पाठमां कुल केटला शब्दो द्वारा शरीरनी उपमा ?

(३) मिथ्यात्वना प्रकार केटला ?

(४) जगतमां शरणां केटला ?

(५) अरिहंत भगवानना गुण केटला ?

(६) महाव्रत केटला ?

(७) श्रावकना अतिचार केटला ?

(८) सिध्ध भगवंते केटला कर्म क्षय कर्या छे ?

(बी) मात्र अेकज शब्दमां जवाब लखो. (Any Five) **(०५)**

(१) सौथी मोटुं पाप कयुं ?

(२) तत्वनी खोटी मान्यताने शुं कहेवाय ?

(३) गर्भज के संमूर्च्छिम न होय तो ते कया जीवो कहेवाय ?

(४) संमूर्च्छिम मनुष्यनुं आयुष्य केटलुं ?

(५) समकितनी हाजरीमां थतुं ज्ञानीनुं मरण कयुं ?

(६) श्रावकनो त्रीजो मनोरथ कयो ?

(७) १२ गुण, ३४ अतिशय, १००८ उत्तम लक्षण छे ते कोण ?

(सी) साचुं छे के खोटुं ते लखो. **(०२)**

(१) पापनो पथारो संकेलवानो पाठ संथारो छे.

(२) परिग्रहनुं पाप वारसामां मळे छे.

(३) मच्छरनां लोहीमां संमूर्च्छिम मनुष्य उत्पन्न थाय छे.

(४) शिकार करवाथी नरकगतिनुं आयुष्य बंधाय छे.

प्रश्न.३) कर्म प्रकृतिना आधारे जवाब लखो.

(क) कया कर्मनी प्रकृतिनो उदय छे ते लखो. **(०५)**

(१) जीभ, चामडी विगेरे अवयवो अस्थिर होय.

(२) बोलतां बोलतां उंघे.

(३) विशिष्ट शारीरिक बळ मळे.

(४) पोताने सुगंधी शरीर मळे.

(५) जेना उदयथी जीवने धर्मकार्यमां आळस अने कंटाळो आवे.

(ख) नीचे आपेला शब्दोमांथी अयोग्य शब्दने गोळ (Circle) **करो.** **(०३)**

(१) निद्रा, प्रचला, भय, प्रचलाप्रचला.

(२) वेदनीय, अंतराय, नाम, गोत्र

(३) भद्र प्रकृति, विनय प्रकृति, अहंकार रहित, माया करे.

(४) नाराच, कीलकु, सेवार्त, हुंड

(५) तिर्थंकर नाम, उपघात नाम, पराघात नाम, बादर

(६) दानांतराय, रुप विहिन, लाभांतराय, वीर्य अंतराय.

(ग) साचुं छे के खोटुं ते लखो. **(०५)**

(१) मिथ्यात्व आदि कारणोथी जीव अने कर्मोनुं अेकमेक थवुं ते बंध.

(२) सर्व अशुभ अवयव होय तेने हुंड संस्थान कहेवाय.

(३) १४ पूर्वी साधुने तप आदि करवाथी लब्धि उपजे अने जे शरीर बनावे तेने आहारक शरीर कहे छे.

(४) देव अने नारकीनी जघन्य स्थिति ३३ सागरोपमनी छे.

(५) मोहनीय कर्मनी स्थिति ३० सागरोपमनी छे.

(घ) जोडकां जोडो. **(०२)**

(१)	२८ प्रकृति	(१)	नाम कर्म
(२)	पथ्थरना स्तंभ समान	(२)	अंतराय कर्म
(३)	राजाना भंडारी समान	(३)	अनंतानुंबंधी मान.
(४)	अमूर्त गुण	(४)	मोहनीय कर्म

(य) मात्र कर्मप्रकृतिना आधारे अंकमां जवाब लखो. **(१०)**

(१) ८ मुहूर्तनी जघन्य स्थिति केटला कर्मनी ?

(२) अंतराय कर्म केटला प्रकारे बांधे ?

(३) देवतानुं जघन्य आयुष्य केटलुं ?

(४) कषाय चारित्र मोहनीयनी प्रकृति केटली ?

(५) कर्म केटला छे ?

(६) नरकनुं आयुष्य केटला प्रकारे बांधे ?

(७) नाम कर्मनी कुल प्रकृति ?

(८) वेदनीय कर्मनी जघन्य स्थिति केटला समयनी छे ?

(९) ३० क्रो. क्रो सागर उत्कृष्ट स्थिति केटला कर्मनी ?

(१०) अशाता वेदनीय कर्मनो उत्कृष्ट अबाधाकाळ केटला वर्षनो ?

(छ) नीचे आपेल शब्दोनी व्याख्या लखो. (Any Five) **(०५)**

(१) तीर्थंकर नाम

(२) संज्वलननो क्रोध

(३) अचक्षु दर्शनावरणीय

(४) वेदनीय कर्मनुं लक्षण

(५) कार्मण शरीर

(६) वैक्रिय शरीर

(७) त्रस नाम

प्रश्न.४)

छ आराना आधारे जवाब लखो. (अवसर्पिणी काळ) **(१०)**

(१) पांचमां आरानुं नाम शुं छे ?

(२) दररोज आहारनी ईच्छा कया आरामां थाय ?

(३) ६ठ्ठा आरामां संठाण अने संघयण कयुं होय ?

(४) कया आरामां ६ महिना पहेला आयुष्यनो बंध थाय ?

(५) १ला अने २जा आरामां गति कई ?

(६) ४९ दिवस छोरुनी प्रतिपालना कोण करे ?

(७) ५०० धनुष्यनुं दहेमान कया आरामां होय ?

(८) निभांडानी राख समान धरतीनी सरसाई कया आरामां ?

(९) साकर जेवी धरतीनी सरसाई कया आरामां होय ?

(१०) ४ पांसळी कया आरामां होय ?

(क) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो. **(०३)**

(१) अचेत अेटले शुं ?

(२) कोईपण व्यक्तिने सुझती क्यारे कहेवाय ?

(३) गोचरी अेटले शुं ?

(ख) खाली जग्या पूरो. **(०५)**

(१) संतो पधारे त्यारे ..... डगला सामे जवुं.

(२) गोचरीना समये घरना ..... खुल्ला राखवा,

(३) ..... अेटले के साधुना निमित्ते वेचातुं लीधेलुं होय ते वहोरावुं नहिं.

(४) साधु - साध्वीजी ने ..... प्रकारनुं दान आपी शकाय.

(५) जमतां पहेलां पू. ..... वहोरावानी भावना भाववी.

(ग) नीचेनी वस्तु साधु-साध्वीजी भगवंतने वहोरावाय? हा / ना. **(०२)**

(१) राखनुं पाणी

(२) आखुं सफरजन

(३) दूधीनुं शाक

(४) लींबु

प्रश्न.५) कथाना आधारे जवाब लखो.

(क) जोडका जोडो. **(०२)**

(१)	हरिणगमैषी	(१)	मरुदेवी
(२)	नाभी कुलकर	(२)	कामदेव श्रावक
(३)	श्री उपासक दशांग सूत्र	(३)	बे काचबा
(४)	श्री ज्ञाताधर्मकथा सूत्र	(४)	सुघोषा घंट

(ख) खाली जग्या पूरो. **(०३)**

(१) ..... बनावे जीवनने पारस.

(२) कामदेव श्रावक काळ करीने ..... मां देव थया.

(३) ऋषभदेव ..... उधानमां ध्यानस्थ थयां.

(ग) नीचेना प्रश्नोना उत्तर अेक ज शब्दमां आपो. **(०५)**

(१) देवे केटला प्रकारनुं रुप बनाव्युं ?

(२) ऋषभदेव राजाअे पुरुषोने केटली कळा शीखवाडी ?

(३) कामदेव श्रावके केटला वर्ष श्रावक धर्मनुं पालन कर्युं ?

(४) कई नगरीमां द्रह हतुं ?

(५) दिक्षाभिषेक वखते प्रभु बिराज्या ते शिबिकानुं नाम शुं ?

प्र.६) काव्य विभाग

काव्य पूर्ति करो. (Any Five) **(१०)**

(१) नमुं .....शीर

(२) वळी कृष्णरायनी .....ठाठ

(३) वळी ईक्षुकार ..... कुमार

(४) श्री ऋषभदेवनां ..... अद्‌भूत

(५) वसुदेवना ..... बाळ

(६) धन्य थावर्च्या ..... हजार

(७) धर्मघोष .....अपार

(८) अेक मास ..... अधिकार